ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- II, Issues-40, YEAR- April-June 2026

BRIEF CONTENTS

1. Bhagavad Gita: A Spiritual Approach to Management — 01-07
- DR. Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)
2. Female Detectives in Bengali Fiction: Special Focus on Detective Krishna, Detective Gargi and Detective Mitin — 08-10
- Paramita Chatterjee Dhanbad (Jharkhand)
3. Domestic Violence in India: A critical analysis of the Protection of Women from Domestic Violence Act 2005 — 11-16
- DR. Arun Kumar Tiwari, 2. Mr. Chaman Khanna, Nichlaul (U.P.)
4. The Strategic Architects of the Revolt of 1857: An Analysis of the Historical Role of Azimullah Khan and Rangoji Bapu — 17-24
- DR. Shailendra Srivastava, Darbhanga (Bihar)
5. Regionalism : Types, Causes and Suggestive Measures — 25-28
- DR. Md. Ali Hussain, Gaya jee (Bihar)
6. Marginalization and Development of De-notified and Nomadic Tribes in India: A Study with Special Reference to Uttar Pradesh — 29-39
- Pratibha Raj, Lucknow (U.P.)
7. The Use of Technology and Social Life of Elderly People — 40-45
- DR. Anil Kumar, Ballia (U.P.)
8. Negotiation as an Effective Dispute Resolution Mechanism: its Importance and Prospects for Settlement — 46-50
- Krishna Veer Yadav, Agra (U.P.)
9. Swami Vivekananda's Practical Vedanta and Its Relevance to the Challenges of Modern Life — 51-54
- Abhay Mishra, Kanpur (U.P.)
10. Good Governance in the Age of Digital India: Evaluating Digital Public Infrastructure (DPI) and Citizen-Centric Service Delivery — 55-58
- Vinit kumar, Delhi
11. Educational Exclusion and Learning Inequalities among Nomadic and De-notified Tribes in Uttar Pradesh: A Meta-Analytical Review of Evidence and Policy Implications — 59-67
- Katyayini bhardwaj, 2. DR. Ranjeet Verma, Gajraula (U.P.)
12. ONE NATION, ONE ELECTION: A CRITICAL ANALYSIS — 68-72
- DR. Ranbir Singh, Agra (U.P.)
13. Comparative Analysis of Liver Function Tests in Control and Trigonella foenum-graecum-Treated Groups of Albino Rats — 73-84
- Deeksha Singh, 2. Anand Pratap Singh, Agra (U.P.)
14. ARTICLE 44 IMPLEMENTATION IS THE NEED OF INDIA — 85-87
- DR. Ranbir Singh, Agra (U.P.)
15. Environmental Assessment of Light Pollution in Varanasi District, Uttar Pradesh, Using Night-Time Satellite Data — 88-91
- Deepali Chourasia, Mau (U.P.)
16. स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा सम्बन्धी विचार — 92-94
– डॉ0 सुनील कुमार मिश्र, मुजफ्फरपुर (बिहार)
17. भारत में घटती जन्म दर कारण, प्रभाव व समाधान — 95-97
– डॉ0 चन्द्रशेखर, आगरा (उ0प्र0)
18. तेजेंद्र शर्मा के प्रवासी कथा साहित्य में उपस्थित वैश्विक समस्याएं — 98-100
– प्रोफेसर विजय कुमार प्रधान, 2. वंदना, टोंक (राजस्थान)
19. महिलाएँ एवं कानून — 101-103
– डॉ0 कविता कुमारी, जहानाबाद (बिहार)
20. भारत में विभिन्न वर्ग एवं सामाजिक गतिशीलता — 104-106
– डॉ0 धनंजय कुमार, नालन्दा (बिहार)
21. बिहार में बापू के रचनात्मक कार्यों में प्रभावती देवी की सहभागिता — 107-109
– डॉ0 सत्यनारायण प्रसाद, नालन्दा (बिहार)
22. सांस्कृतिक पुनर्जागरण में स्वामी दयानन्द सरस्वती का अवदान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — 110-112
– रजनीश सिंह, 2. डॉ0 बेद प्रकाश शुक्ला, कानपुर नगर (उ0प्र0)

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- II, Issues-40, YEAR- April-June 2026

23. माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त 113-118
– डॉ0 अशोक कुमार, गयाजी (बिहार)
24. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत–नेपाल के बीच राजनीतिक संबंध का विश्लेषण (2014–25) 119-122
– सचिन कुमार पाण्डेय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश)
25. पश्चिमी देशों के रक्षा क्षेत्रों में तनाव से वैश्विक आर्थिक संकटः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 123-125
– डॉ0 विशाल कुमार श्रीवास्तव, कानपुर (उ0प्र0)
26. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी 126-129
– डॉ0 अमित कुमार रंजन, मधुबनी (बिहार)
27. बिहार में गाँधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम एवं उसके उद्देश्य 130-134
– डॉ0 प्रमोद कुमार, गयाजी (बिहार)
28. वर्णाश्रम व्यवस्था : उद्देश्य एवं प्रासंगिकता 135-137
– रविन्द्र प्रताप सिंह, मीरजापुर (उ0प्र0)
29. राष्ट्रीय आंदोलन में बिहार की महिलाओं का योगदान 138-140
– डॉ0 मो0 क्यूम, शेखपुरा (बिहार)
30. सती विरोधी आंदोलन 1987–1988 141-145
– डॉ0 लक्ष्मी कुमारी, पटना (बिहार)
31. भारत की आजादी में महारानी लक्ष्मीबाई के साथ अन्य महिलाओं का योगदान 146-147
– प्रज्ञा सिंह, 2. डॉ0 कमलेश तिवारी, वाराणसी (उ0प्र0)
32. जनपद बदायूँ के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित भगत प्रथा के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन 148-149
– कृष्ण वीर सिंह, 2. प्रो० पूनम सक्सेना, बरेली (उ0प्र0)
33. मुण्डा जनजाति की आर्थिक संरचना : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 150-152
– डॉ0 सत्येन्द्र सिंह, जहानाबाद (बिहार)
34. एक कस्बे की श्रमिक महिलाओं का पारिवारिक जीवन 153-155
– डॉ0 गीता कुमारी, औरंगाबाद (बिहार)
35. समाज में धर्म के नाम पर अंधविश्वास का बढ़ावा और नैतिकता का संकट 156-157
– डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव, 2. डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ0प्र0)
36. भारत में जैव–ऊर्जा की संभावनाएँ : एक भौगोलिक विश्लेषण 158-160
– डॉ0 चन्द्रशेखर, आगरा (उ0प्र0)
37. नाट्य मंचन में रंग–संरचना का महत्व 161-162
– पल्लवी देवी, जम्मू (जम्मू & काश्मीर)
38. परम्परागत बाज़ार से ऑनलाइन शापिंग तक भारतीय परिवार की जीवनशैली में सामाजिक परिवर्तन 163-164
– प्रोफेसर सुभी धुसिया, गोरखपुर (उ.प्र.)
39. वैयक्तिक सेवा कायय में व्यवहार–परिवर्तन हेतु संगीत चिचकत्साः भारतीय परिप्रेक्ष्य में एक समीक्षात्मक अध्ययन 165-167
– मनीष कुमार, 2. डॉ0 ज्योति विश्वकर्मा, चित्रकूट (उ0प्र0)
40. उच्च शिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक आकांक्षा पर उनके पारिवारिक वातावरण का प्रभाव (मीरजापुर जनपद के चुनार तहसील में स्थित स्वावित्तपोषित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर आधारित (एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) 168-171
– सतीश चन्द्र वर्मा, मीरजापुर (उ0प्र0)
41. जलवायु परिवर्तन एवं वंचित वर्ग (दिव्यांग जनों के विशेष संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) 172-177
– रविन्द्र सिंह, चित्रकूट (उ0प्र0)
42. Hydrological Bankruptcy in India : An Integrated Approach to Ecological Restoration, Pond Rejuvenation, Rainwater Harvesting, Landscape Planning, and Sustainable Water Management 178-186
- Ar. Rajesh Kumar, 2.Co. Ar. Piyush Prakash, 3.Co. Ar. Prashant Kumar, Agra (U.P.)
43. CORPORATE GOVERNANCE IN THE ERA OF DIGITAL BANKING: CHALLENGES AND OPPORTUNITIES 187-194
- Swarnim Singh, 2. DR. Bheem Sen Yadav, Agra (U.P.)
44. भारतीय समाज और ज्ञानोदय 195-197
– डॉ0 रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)
45. नया भारत और पुरानें कानून की सामाजिक चुनौतियां 198-200
– डॉ0 रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)
46. ग्रामीण समुदाय के विकास में स्वयं सहायता समूहों का योगदानः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन 201-203
– ज्योतिमा सोनी, लखनऊ (उ0प्र0)
47. सिकन्दरपुर तहसील (जनपद बलिया) में कृषि आधारित उद्योगों का विकास : एक भौगोलिक अध्ययन 204-208
– डॉ0 राम जी राय, बलिया, (उ0प्र0)

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- II, Issues-40, YEAR- April-June 2026

48. भारतीय ज्ञान परम्परा में विभिन्न नास्तिक दर्शन 209-210
– डॉ0 सुजय श्रीवास्तव, फैजाबाद (उ0प्र0)
49. डिजिटल पूंजीवाद और समकालीन हिन्दी साहित्यः बाजार तकनीक और सृजनात्मकता का आलोचनात्मक अध्ययन 211-214
– प्रियांशा त्रिपाठी, उन्नाव (उ0प्र0)
50. वीर सावरकर का हिन्दुत्व दर्शन 215-216
– डॉ0 बृजेश कुमार रजक, अम्बेडकरनगर (उ0प्र0)